विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 18 जुलाई 2020

वर्ग अष्टम राजेश कुमार पाण्डेय

एन0 सी0 ई0 आर0 टी0 पर आधारित

13. ङमोहस्वादचि ङमुण् नित्यम् - यदि हस्वर - स्वर के बाद पद के अन्त में ङ् न् या हो और बाद में कोइ स्वर हो तो ङ् न् और ण् का द्वित्व हो जाता है।

जैसे - धावन् + आगच्छति = धावन्नागच्छति।

पातयन् + इव = पातयन्निव।

14. शश्छोऽटि - यदि त् या द् के बाद श् रहे तो या द् का च् हो जाता है और श् का छ विकल्प से हो जाता है।

जैसे - तत् + शकटम् = तच्छकटम्

भगवत् + शरण्यः = भगवच्छरण्यः।

15. (क) यदि पदान्त न् के बाद च् छ् रहे तो न् का अनुस्वार तथा श् हो जाता है

जैसे - पश्यन् + चकितः = पश्यंचकितः।

(ख) यदि पदान्त न् के बाद ट् ठ् रहे तो न् का अनुस्वार तथा ष् होता है।

जैसे - चलम् + टिट्टिभः = चलेष्टिट्टिभः

(ग) यदि पदान्त न् के बाद त, ध रहे तो न् अनुस्वार एवं स् होता है।

जैसे - पतन् + तरूः = पतंस्तरूः।